# चाँद चढ्यो गिगनार,श्यामा कुछ तो दया विचार दास थारो डीके छ जी डीके छ Bhajans Bhakti Songs

चाँद चढ्यो गिगनार,श्यामा कुछ तो दया विचार,
दास थारो डीके छ जी डीके छ
चाँद चढ्यो गिंगनार....

सरे साँझ से द्वारे ठाडो, बालक ने पुचकारोजी,
रतनारी आंख्या ने खोलो,सेवक और निहारोजी,
सोया होगी बार, श्याम अब तो पलक उघाड़ ,
रात यु बीते छ जी बीते छ
चाँद चढ्यो गिंगनार....

भगत घनेरा भेला होसी ना दिलडे में चैन जी,
यही सोच कर आय गयो,में सुनी पांसि रेन जी,
करवट लयो करतार,अरे ओ लीले के असवार,
कारज महार्रा अटके छ जी अटके छ,
चाँद चढ्यो गिंगनार....

बेगो आज्या श्याम बिहारी धीरज ना अब और जी,
था बिन महारा परम सनेही, ना कोई दूजी ठोर जी,
हाथ बढ़ावो आज,बचाओ निज सेवक की लाज,
आश एक थारी छ जी थारी छ
चाँद चढ्यो गिंगनार....

कशी राम चरण को सेवक, गुण थारा ही गावेजी,
मांगेलाल कहे गुरु कृपा से भव सागर तर जावेजी,
बेगा आवो नाथ, पकड़लो निज सेवक को हाथ,
चरण रज थारी छ जी थारी छ,
चाँद चढ्यो गिंगनार....

Source:
https://www.bharattemples.com/chand-chadhyo-gignar-shyama-kuch-to-daya-vichar/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw